ओशो इंटरनेशनल मेडिटेशन रिज़ॉर्ट
पृष्ठभूमि-प्रदाता

मीडिया संपर्क: अमृत साधना
प्रेस और मीडिया
sadhana@osho.net

+91-2066019940

द मैनेजमेंट टीम
ओशो इंटरनेशनल मेडिटेशन रिज़ॉर्ट
www.osho.com

माला उपयोग करने के बारे में ओशो के निर्देश

सितंबर 1985 में ओशो पूर्वाभास देते हैं उनके लोगों द्वारा माला पहनने के अंत का

"जल्दी ही मैं उस हर चीज को वापस ले लूंगा जो मेरी अनुपस्थिति में विनाशक हो सकती हो।"

ओशो, द लास्ट टेस्टामेंट, भाग 3, टॉक #4 (दिस मोमेंट इज़ एनफ)

अगस्त 1988 में ओशो पहले से ही माला के बारे में भूतकाल में बोल रहे हैं

"हमने भगवे कपड़े त्याग दिए हैं, हमने माला त्याग दी है...."

ओशो, द मिरकल, टाक #2 (बुद्धाज इन डिस्गाइज)

और फरवरी 1989 में सार्वजनिक रूप से माला पर इस सबसे आखिरी बार के कथन से स्पष्ट है कि माला अतीत की बातें थीं:

“उस समय संन्यासी लाल कपड़े पहनते थे, लाकेट में मेरी फोटोवाली माला उन पर होती थी, तो वे बिल्कुल पहचान लिए जाते थे।”

ओशो, द झेन मेनीफेस्टो: फ्रीडम फ्राम वन्सेल्फ, टाक #1 (दिस डिसअप्पिअरेंस इज अनत्ता)

माला के संबंध में *अकादमी आफ इनीशिएशन* को अंतिम सन्देश, 1989

अकादमी आफ इनीशिएशन को ओशो सन्देश भेजते हैं कि अब और आगे माला पहनने की कोई जरूरत नहीं है| संन्यास भीतर जाने से संबधित है और बाह्य से उसका कुछ लेना-देना नहीं है|

कुछ लोग परेशान हुए तो बात पुनः उनके समक्ष लाई गई और उनका प्रतिसंवेदन, जो अकादमी को पुनः भेजा गया, वह है: “अगर तुमको अपनी माला पहननी ही पहननी है तो केवल घर पर ध्यान करते समय पहनें|”

यह सन्देश 26 जुलाई 1989 को समूची सभा के समक्ष भी दोहराया गया था, जिसमें ये विरोध-प्रदर्शनकारी नेता उपस्थित थे|

नीचे, ओशो की अंतर्राष्ट्रीय सचिव मा हास्या का 28 नवंबर 1989 का एक पत्र पढ़ सकते हैं जिसमें वे एक प्रश्न का जवाब इसी मार्ग-निर्देशन के साथ दे रही हैं:

मा प्रेम हास्या

ओशो की अंतर्राष्ट्रीय सचिव

स्वामी समर्पण डेविड
ओशो पद्मा मेडीटेशन सेंटर
अपार्तादो एरिओ 4128
मेडेलिन
कोलंबिया

नवंबर 28, 1989

प्रिय डेविड,
प्रेम|

हमें आपका अक्तूबर 8 का पत्र मिला है | ओशो तुम्हें आशिष भेजते हैं|

[...]

ठीक, माला निजी एकांत में ध्यान करने के लिए है, सार्वजनिक उपयोग के लिए नहीं|
प्रारंभिक रूप से सफ़ेद और मैरून रोब पहनना यहां पूना के लिए अभिप्रेत था, लेकिन स्वभावतः सेंटर्स पूछने लगे कि यदि लोग चाहें तो क्या वे भी ये रोब पहन सकते हैं? ओशो का जवाब था: "हां|" तो यदि तुम चाहो तो यहां की तरह ही उपयोग कर सकते हो: साथ बैठकर वीडिओ डिस्कोर्स के लिए सफ़ेद रोब, और ध्यान के लिए मैरून रोब| हालांकि सार्वजनिक रूप से कोई रोब नहीं पहने जाने चाहिए| और ग्रुप लीडर्स केवल यहां पूना में ब्लैक रोब पहनते हैं|.....

इति|